PAPER – II

PART (B)

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

20/01/2024

रोशनी कुमारी

1(a) कस्तूरी रंगन समीति की कक्षा सिफारिश के आधार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति रखा गया जिसके अध्यक्ष – के कस्तूरीरंगन थे।

1(b) BCG. वैक्सीन – बच्चे के जन्म के समय या कुछ दिनों के बाद दी जाने वाली वैक्सीन, एक ही खुराक दी जाती है (बैसिलस कैल्मेट ग्वेरिन)

1(c) निःशक्त जन – ऐसे व्यक्ति जिनके पास शरीर का कोई अंग न हो, यदि हो तो वह निष्क्रिय हो। इन्हे दिव्यांग जन भी कहते हैं। जैसे – अंधता, बहरापन, मंद बुद्धि, पागलपन, अपंगता, आदि।

1(d) राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम 2007

बच्चों के स्वास्थ्य सुधार हेतु

2014

उत्तर पुस्तिका

राजकोषीय घाटा–

ई-धर्मशिक्षा योजना–
गोजना गैर कारपोरेट लघु व्यापार क्षेत्र को औपचारिक वित्तीय सुविधाएं प्रदान करने के लिये अप्रैल 2015 में शुरू की गई

2.5

ADB के कार्य

1966 मनीला

(1) सदस्य देशों को ऋण के रूप में वित्तीय सहायता
(2) क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण
(3) सदस्य देशों की निर्धनता दूर करने हेतु कार्यक्रम

संक्रामक रोग:–
ऐसे रोग जो रोगी के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संपर्क के कारण हवा, जल, भोजन या अन्य कारण से प्रसारित हो जाते हैं जैसे–
बैक्टीरिया– टी.बी., लेप्रोसी, टिटनेस
विषाणु– खसरा, छोटी माता, रेबीज, बर्ड फ्लू, स्वाइन फ्लू, कोरोना आदि

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

1 (i) रक्ताल्पता -
मनुष्य के शरीर में/ ब्लड में आयरन की कमी होना जिससे हीमोग्लोबिन कम बनता है फलतः रक्त की कमी हो जाती है और त्वचा पीली पड़ना, कमजोरी, कुपोषण प्रमुख लक्षण के उभरते हैं।

(ii) दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में जहां चिकित्सा सुविधाओं की अभाव है, मेडिकल वाहनों में चिकित्सा सेवा की संरचना. जैसे - चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ व सहायक के साथ जाना व ग्रामीण जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य जाँच कर मैडिकल दवाइयां व उपचार उपलब्ध कराना।

1 (iii) पर्यावरण में अवांछित तत्वों का प्रवेश जिससे कि उसका स्वरूप परिवर्तित हो जाये. जैसे - वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, समुद्र प्रदूषण, आदि।

स्थायी व अपरिवर्तनीय

1 (iv) लोक सेवा केन्द्र खण्ड/ ब्लॉक स्तर पर ऐसे सरकारी केन्द्र हैं जहां लोगों को सरकारी कार्यों संबंधी सुविधाएं उपलब्ध करायी जाती हैं जैसे - आधार सुधार, जाति व निवास प्रमाण पत्र. लोक सेवा प्रदाय गारंटी अधि. 2010 द्वारा स्थापित

Scanned by CamScan

उत्तर पुस्तिका

तकनीकि के उपयोग से दूर स्थित क्षेत्रों में शिक्षा पहुँचाना जैसे - इन्टरनेट का प्रयोग कर ऑनलाइन शिक्षा कार्यक्रम आयोजित करना।

(b) कुशल मानव शक्ति :-

किन्ही विशेष कार्यों मे दक्ष हो और अपनी इस कुशलता का प्रयोग अधिकतम उत्पादन में कर सके। मानव संसाधन के रूप में कुशल मानव शक्ति के द्वारा स्थापित हो सकता है।

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

(2) 1. जनांकीय लाभांश –

इसका तात्पर्य है कि जनसंख्या की संरचना में अनुकूल व सकारात्मक परिवर्तन जिससे अर्थव्यवस्था में विकास दर में वृद्धि हो सके। अर्थात् क्रियाशील आयु वर्ग की अधिकता जिससे कुशल मानव संसाधन का विकास हो व अर्थव्यवस्था राष्ट्र का विकास हो।

महत्व ⇒ क्रियाशील आयु वर्ग (जनसंख्या) की अधिकता के फलत: कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता बढ़ेगी, जिसकी नियोजनीयता उचित दिशा में कर राष्ट्र की संवृद्धि दर में वृद्धि की जा सकती है।

2(2) व्यवसायिक शिक्षा – किसी विषय विशेष से संबंधित होती है तथा रोजगार योग्य बनाने हेतु कौशल विकास करती है।

वर्तमान शिक्षा पद्धति रोजगार परक नहीं है अत: कुशल मानव संसाधन का निर्माण करने एवं रोजगार व बेरोजगारी की समस्या को समाप्त करने हेतु व्यवसायिक शिक्षा की आवश्यकता है। जिससे न केवल उत्पादकता बढ़ेगी बल्कि प्रशिक्षित रोजगार प्राप्ति से प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी एवं जीवन स्तर में सुधार होगा।

3

Scanned by CamScanner

कोरोना संक्रमण काल तथा मनोवेगी के कारण शिक्षा पूरी तरह बाधित रही परन्तु दूरस्थ शिक्षा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
ताकि विद्यार्थी घर बैठे इन्टरनेट व या टीवी के माध्यम से शिक्षा प्राप्त कर सके जिसमें मुख्य रूप से मोबाइल व लैपटॉप के द्वारा स्मार्ट क्लास के माध्यम से शिक्षकों द्वारा प्राथमिक व माध्यमिक स्तर के बच्चों को शिक्षा दी गई तथा परीक्षा छात्र बाधित न हो इस हेतु ऑनलाइन परीक्षाएं भी आयोजित की गई। कोरोना संकट काल में दूरस्थ शिक्षा ही ज्ञानवर्द्धन हेतु एक मात्र साधन रही है।

2 (b) उपभोक्ता संरक्षण अधि॰ 1986 के प्रमुख प्रावधान
(1) केन्द्र, राज्य व जिला स्तर पर उपभोक्ता संरक्षण परिषदों के गठन का प्रावधान है जिनका उद्देश्य उपभोक्ता संरक्षण अधिकारों की प्राप्ति।
(2) केन्द्र / राज्य / जिला स्तर उपभोक्ता विवाद प्रतितोष प्राधिकरण का प्रावधान जो उपभोक्ताओं के संबंध में विवादों का समाधान करेगी जिसकी वाद सीमा क्रमशः— 1 Cr से अधिक, 20 लाख से 1 करोड़, व 20 लाख तक होगी।
(3) उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन पर दण्ड का प्रावधान किया गया है।

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

2 (b) भारतीय प्रशासनिक सेवा की विशेषता ऐं —

(1) राज्य व केन्द्र के मध्य एक साझा सेवा है

(2) ये अखिल भारतीय सेवायें हैं जो सहकारी संघवाद को बढ़ावा देती हैं।

(3) सामान्य प्रशासन सेवा है जो सभी क्षेत्रों में समान रूप से मिलती है।

(4) पिरामिडीय संरचना है

(5) अधिकांशतः कुछ राज्यों द्वारा चयनित लोक सेवकों के अधिकता है।

(6) क्षेत्रीयता की समस्या ⇒ लोकसेवकों की भिन्न परिवेश वाले राज्यों में नियुक्ति के कारण

2 (c) लेखा परीक्षण के उद्देश्य —

(1) विभागों का बजट अनुसार खर्च जांच करें

(2) व्यय स्वीकृति अनुरूप है या नहीं

(3) सक्षम प्राधिकारी द्वारा खर्च किया गया या नहीं

(4) लेखा की शुद्धता व वित्त की सुरक्षा हेतु

लेखा परीक्षण के प्रकार —

पूर्व लेखा परीक्षण	उत्तर लेखा परीक्षण	आंतरिक लेखा परीक्षण	बाह्य लेखा परीक्षण
⇓	⇓	⇓	⇓
व्यय पूर्व राशि की वैधता का निर्धारण करने हेतु	व्यय हो जाने के बाद व्ययों का लेखा	विभाग के व्यय की जांच उसी विभाग के अधिकारियों द्वारा	व्यय की जांच पड़ताल CAG द्वारा

Scanned by CamScanner

2 (क) कोरोना संकट काल में अर्थव्यवस्था को गति देने के लिये निर्माण व उत्पादन कार्य को बढ़ावा देने हेतु सरकार ने बजट में 20 लाख करोड़ का पैकेज आत्मनिर्भर भारत हेतु रखा है। इसके 5 आधार स्तंभ हैं —

(1) अर्थव्यवस्था – वृद्धिशील परिवर्तन की बजाय बड़े उछाल की आवश्यकता है।

(2) प्रौद्योगिकी – तकनीकी आधारित अर्थव्यवस्था

(3) आधारभूत संरचना – जिससे आधुनिक भारत का निर्माण हो सके।

(4) जनसांख्यिकीय लाभांश का उपयोग हो।

(5) मांग – बड़े बाजार के निर्माण हेतु मांग में वृद्धि

2 (ख) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (दिल्ली) का कृषि प्रौद्योगिकी विकास में योगदान —

(1) खाद्यान्न, दलहन फसलों के उच्च गुणवत्ता युक्त बीजों का निर्माण – पूसा अरहर,

(2) इसके अन्तर्गत अनेक कृषि विश्वविद्यालय संचालित हैं व शोध हेतु छात्रवृत्ति प्रदान करती है

(3) कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा – उन्नत बीज, उन्नत उर्वरक, जैविक खाद, बनाये जा रहे हैं।

(4) हरित क्रांति का सफल संचालन ICAR द्वारा सम्भव हुआ है।

(5) जलवायु अनुकूल फसलों की किस्मों का विकास जैसे प्याज – जो सूखे क्षेत्रों में उगाई जा सके।

1(a) पारिवारिक स्वास्थ्य का तात्पर्य है परिवार की खान पान की आदतें, जीवन शैली, रहन सहन स्तर व परिवार की गतिविधियों का अध्ययन करना; क्योंकि पारिवारिक स्वास्थ्य से व्यक्ति का स्वास्थ्य जुड़ा होता है।

एक परिवार आदी और स्वास्थ्य कारकों से निर्मित होता है जिनकी विभिन्न समस्याएँ जैसे - प्रजननशीलता, किशोर गर्भावस्था, एनीमिया, संतुलित पोषक आहार की प्राप्ति न होना, स्वच्छता व स्वच्छ पेयजल प्राप्ति आदि व्यक्ति के संपूर्ण विकास को प्रभावित करती है। अत: इन समस्याओं का निदान आवश्यक है।

2(b) जन्म मृत्यु समंकों की उपादेयता

→ जनगणनीय सर्वेक्षण हेतु आवश्यक

→ जन्मदर मृत्युदर, मातृ मृत्युदर व शिशु मृत्युदर संबंधी आंकड़ों का संग्रहण

→ वैधानिकता, प्रमाण पत्र जारी करना

→ प्रवास की स्थिति में जन्म प्रमाणपत्र जारी करना।

→ जन्म के समय पंजीकरण, व मृत्यु संबंधी रिकॉर्ड रखना।

→ इसका व्यापक प्रयोग जनसंख्या नियन्त्रण नीतियों व कार्यक्रमों में होता है

→ विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का क्षेत्री स्तर पर अध्ययन करना संभव होता है।

Scanned by CamScanner

3)

वर्तमान में भारत के सन्दर्भ में स्वास्थ्य संबंधी निम्न समस्यायें हैं जिनमें सुधार हेतु सरकार के प्रयास जारी हैं।

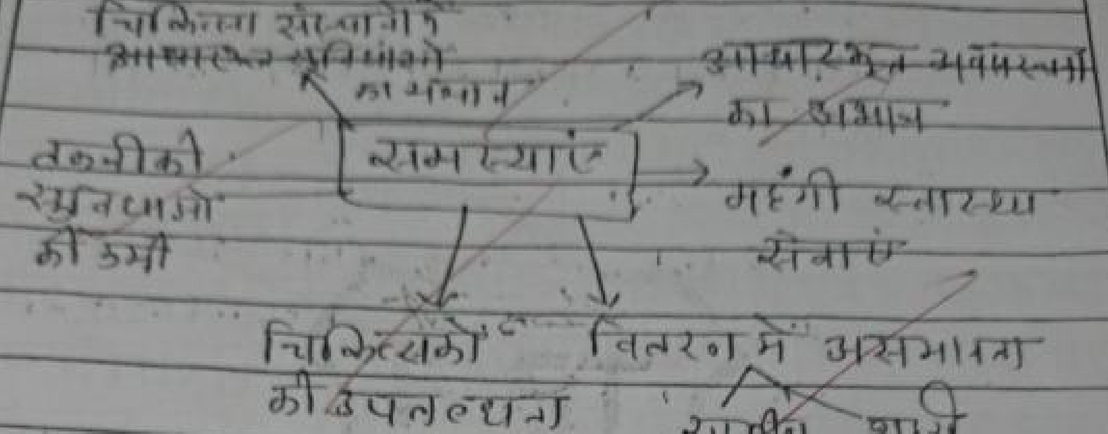

स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार हेतु सरकार के प्रयास

(1) आयुष्मान भारत योजना – 2019 2018

→ सार्वभौमिक स्वास्थ्य योजना है

→ प्रत्येक परिवार को 5 लाख रुपये प्रतिवर्ष स्वास्थ्य बीमा।

→ अधिसूचित निजी व सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क उपचार की व्यवस्था करती है।

→ इसका सर्वाधिक लाभ निम्न आय वर्ग के परिवारों को होगा जो महंगी स्वास्थ्य सुविधायें उपयोग करने में सक्षम नहीं थे।

(2) चिकित्सकों की उपलब्धता
~~प्रतिवर्ष~~ ~~कुल~~ ~~डॉ~~
– वर्तमान में 1.3 शासकीय व एक निजी चिकित्सा शिक्षण संस्थान है जिससे डॉक्टर की उपलब्धता तो है परन्तु अधिकांश निजी क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

(3) पैरामेडिकल का स्टाफ –
इनकी पूर्ति हेतु अनेक चिकित्सक प्रशिक्षणों, संस्थानों की व्यवस्था की जा रही है।

(4) सभी राज्यों में उच्च तकनीकी सुविधा युक्त अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों (AIIMS) की स्थापना की जा रही है।

(5) योजनाएं –
– कुपोषण मुक्त भारत रणनीति – 2022
– राष्ट्रीय पोषण मिशन
– टीकाकरण कार्यक्रम
– आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और ANM तथा आशा कार्यकर्ताओं द्वारा जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्धता हेतु प्रयास किये जा रहे

उत्तर पुस्तिका

(6) राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 में स्वास्थ्य हेतु बजट का 1.15% का प्रावधान किया है जिसे 2.5% बढ़ाने का लक्ष्य है।

(7) AYUSH – आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्धा, होम्योपैथी जैसी पद्धतियों को बढ़ावा देने हेतु विभाग की स्थापना

(8) स्वच्छ भारत अभियान का सफल संचालन

(9) संपूर्ण राष्ट्र को ODF बनाने का लक्ष्य

(10) ग्रामीण स्तर पर त्रिस्तरीय स्वास्थ्य संरचना का निर्माण

(11) विभिन्न निरोधात्मक व उपचारात्मक कार्यक्रम –

जैसे – (1) टीबी उन्मूलन, मलेरिया, फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम

(2) खसरा उन्मूलन कार्यक्रम

(3) कैंसर मधुमेह नियंत्रण कार्यक्रम

(12) E-हेल्थकेयर

(13) EHR – Electronic Health Record

अस्पतालों के मरीजों के डाटा का डिजीटलीकरण ताकि स्वास्थ्य विश्लेषण आसानी से हो।

9

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

3 (b) भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार हेतु ग्रामीण, ब्लॉक और जिला स्तर पर अलग-अलग सुविधा युक्त चिकित्सा संस्थाओं की स्थापना की गई है

ग्रामीण क्षेत्र में
चिकित्सालय

- उपस्वास्थ्य केन्द्र
- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र

(1) उपस्वास्थ्य केन्द्र

— सुविधाएं— प्राथमिक चिकित्सा, स्वास्थ्य, पोषक आहार की जानकारी स्वास्थ्य समस्याओं के सन्दर्भ में परामर्श।

→ स्वास्थ्य सेवाओं व ग्रामीणों के मध्य संपर्क का प्रथम बिन्दु

→ 4 हजार से 13 हजार की जनसंख्या पर स्थापित

- एक ANM और स्वास्थ्य कार्यकर्ता।

② प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र –

⇒ उपस्वास्थ्य केन्द्र चयन हेतु

⇒ प्रसव जननी सुविधा, नैदानिक उपचार, सामान्य रोग का उपचार

→ एक चिकित्सक और दो स्वास्थ्य कार्यकर्ता होते हैं

→ 20 हजार से 30 हजार की जनसंख्या पर

→ निःशुल्क दवाइयां

③ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र

→ 4 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के लिये रेफरल यूनिट

→ सेवाएं – सामान्य स्वास्थ्य, प्रजननता, प्रसव सुविधा,

– शल्य चिकित्सा कक्षा, लेब, पेसमेकर, X-Ray, सोनोग्राफी मशीन आदि उपकरणों की उपलब्धता

– 80 हजार की जनसंख्या पर उपलब्ध होते है

– गंभीर मामलों को जिला अस्पताल (रेफरल यूनिट) भेजा जाता है

ANSWER BOOK
उत्तर पुस्तिका

कोविड-19 के एक संक्रामक बीमारी है जो वायु और अन्य माध्यमों से प्रसारित होती है।

वर्तमान कोरोना महामारी के कारण समाज सामाजिक प्रभावों को निम्न बिंदुओं के अन्तर्गत आसानी समझा जा सकता है -

(1) कोरोना विषाणु प्रत्यक्ष सम्पर्क से फैलने के कारण सभी प्रकार से व्यक्तियों का मेल जोल समाप्त हुआ और इस दौरान प्रत्येक को अपने घर में रहने तथा अन्य लोगों से दूरियां बना कर रहना पड़ा।

(2) सभी प्रकार की सोशल गैदरिंग प्रतिबंधित हो गई। स्कूल, कॉलेज और अन्य शिक्षण संस्थान, मंदिर, मॉल, दुकानें, बाजार आदि में व्यक्तियों का मेलजोल समाप्त हुआ।

(3) तालाबंदी के दौरान जहां बाहरी समाज से कटाव हुआ वहीं परिवार में सभी व्यक्तियों ने एक साथ समय

Scanned by CamScanner

निराशा और इन्डोर गेम्स का और अधिक प्रचलन हुआ

(5) परिवारो मे घरेलु हिंसा के मामलो मे वृद्धि हुई

(6) प्रवासी मजदूरो की सहायता हेतु सड़क रास्ते अनेक लोगो ने मदद की।

(7) व्यापारी वर्ग द्वारा अधिक लाभ कमाने के उद्देश्य से वस्तुओं के मूल्यों मे वृद्धि की।

(8) सर्वाधिक प्रभाव गरीब व निम्न वर्ग के लोगो पर पड़ा उनके आजीविका के साधन छिन गये फलस्वरूप भूख की स्थिति उपन्न हुई।

(9) इस प्रकार कोरोना संकट काल के द्वारा विभिन्न प्रकार के सामाजिक परिवर्तन देखने मिलते है

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में
4 डॉक्टर (सर्जन, फिजिशियन, स्त्री
रोग विशेषज्ञ, बालरोग विशेषज्ञ)
होते हैं। + जि. पैरामेडिकल स्टाफ

(घ) जिला अस्पताल / मेडीकल कॉलेज
- जिला स्तर पर
- 20 लाख तक की जनसंख्या पर उपलब्ध
जिसमें सभी प्रकार विशेषज्ञ होते हैं
- गंभीर मामलों के लिये सभी प्रकार
की सुविधायें।

इस प्रकार स्पष्ट है कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य संस्थान अग्रणी भूमिका में कार्य कर रहे जो महिलाओं या बच्चों या सामान्य स्वास्थ्य संबंधी सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रमुख भूमिका निभाते हैं परन्तु चिकित्सा सुविधा की गुणवत्ता जैसी समस्याएं मौजूद हैं।

3(c) मानव संसाधन – मानव पूंजी निर्माण की प्रक्रिया है। मानवों में कौशल विकास के माध्यम से बेहतर मानव संसाधन में परिवर्तित किया जा सकता है।

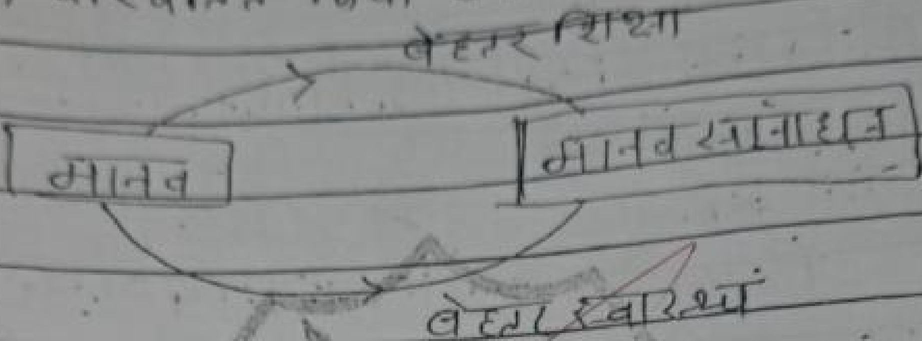

सरकार द्वारा कुशल मानव संसाधन विकास हेतु महत्वपूर्ण परियोजनायें निम्न लिखित है –

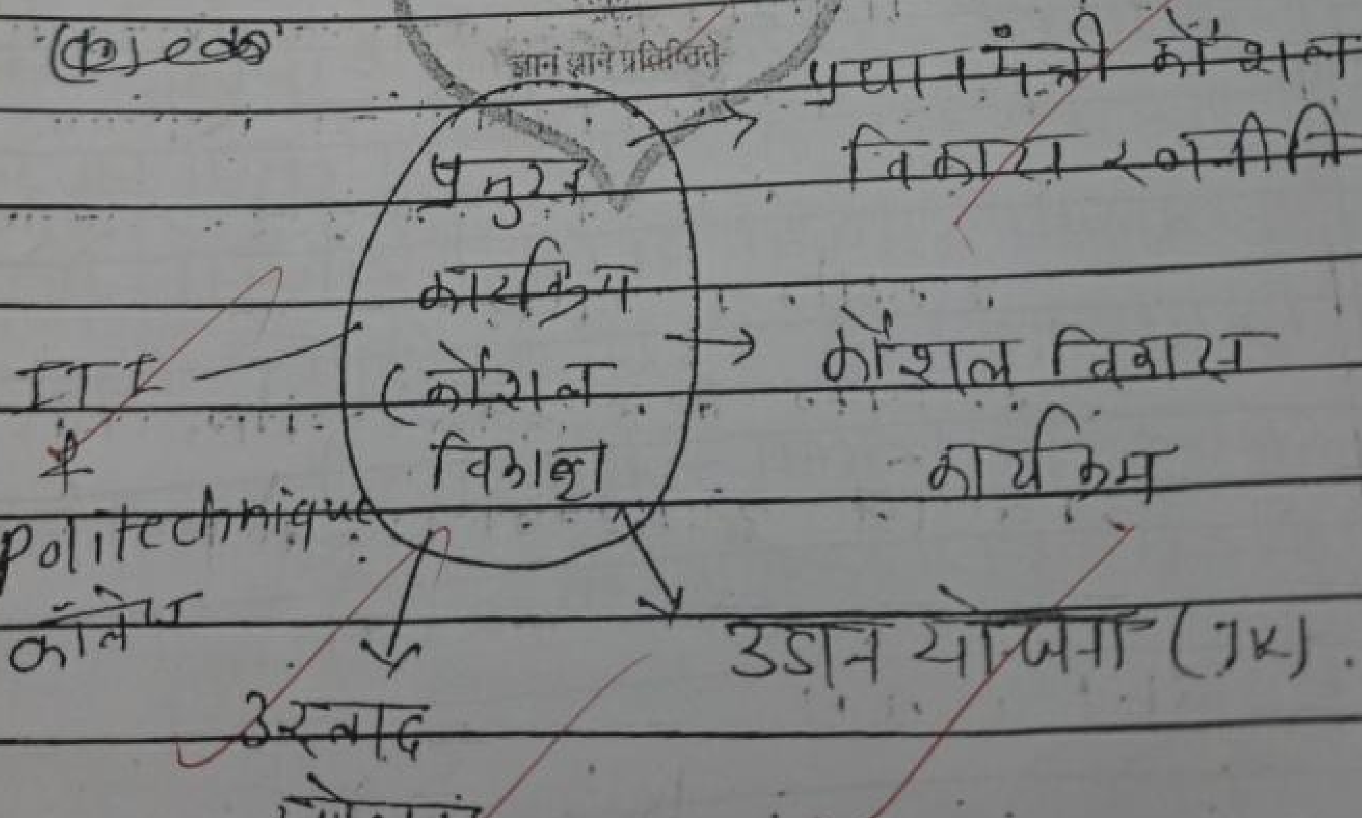

(1) कौशल विकास रणनीति 2015 -

उद्देश्य - कुशल श्रमिक वर्ग तथा कौशल युक्त मानव संसाधन का निर्माण

↓

इस हेतु [प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना]

कार्यान्वयन

↓

[NSDC] → कौशल विकास हेतु पाठ्यक्रम तैयार करना

राष्ट्रीय कौशल विकास संस्थान → प्रशिक्षण संस्थाओं के मानक निर्धारित करना

(2) ITI + पॉलीटेक्निक कॉलेजों की स्थापना -

तकनीकी विषयों का शिक्षण

→ जैसे - सिविल, कम्प्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल आदि

→ तकनीकि ज्ञान युक्त श्रमिक वर्ग जिससे उत्पादकता बढ़ेगी।

(3) उड़ान योजना

जम्मू कश्मीर के युवाओं को कौशल विकास हेतु 10वी 12वी कक्षा छोड़ चुके व्यक्तियों को व्यवसायिक शिक्षा से जोड़ना।

(द) उस्ताद योजना –
— अल्पसंख्यक वर्गों को उनके पारंपरागत कार्यों में तकनीकि का प्रयोग तथा प्रशिक्षण देना।

(ड) प्रवासी कौशल विकास योजना –
→ प्रवासी मजदूरों (जो अन्य देशों में कार्यरत) को उनके कार्य संबंधी प्रशिक्षण देना।

निष्कर्षत: – सरकार द्वारा युवाओं का कौशल विकास करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं जिससे रोजगार प्राप्ति हेतु अवसर प्राप्त हो सकेंगे और सही मायने में जनांकीय लाभांश प्राप्त हो सकेगा।

Leave Blank रिक्त छोड़ें
Do not write beyond this line इस पंक्ति के बाहर कुछ भी ना लिखें